Shri Chaturanan Mishra will initiate the discussion...

SHORT DURATION DISCUSSION RE. THE AFFAIRS OF THE BANK OF CREDIT AND COMMERCE INTERNATIONAL (OVERSEAS) LTD. (BCCI)

श्री चतुरानन मिश्र (बिहार) : उपसभाध्यक्ष महोदय, "दि बैंक ऑफ क्रेडिट एण्ड कामर्स इन्टरनेशनल (ओवरसीज) लिमिटेड" (बी०सी०सी०आई०) की कारगुजारियों के बारे में मैं चर्चा करना चाहता हूं।

इस बैंक के संबंध में, इसकी कारवाई के बारे में जो कुछ बात सामने आई हैं, वे अत्यंत ही भयावह हैं और हमारे देश के लिए भी अत्यंत ही खतरनाक हैं।

[उपसभाध्यक्ष] श्री भास्कर अन्नाजी मासोदकर [पीठासीन हुए]

जो यह बैंक है, जिसको बी०सी०सी० आई० के नाम से जाना जाता है, उसको बहुत से लोग क्रेडिट आफ कॉमर्स के बदले में बैंक आफ क्रुक एण्ड क्रिमिनल्स कहते हैं और कुछ लोग बैंक आफ कोकीन एंड क्राईस इंटरेस्ट कहते थे। इस बैंक ने जिस तरह की चीजों को संगठित किया है उसकी कहानी सुनकर के आत्मा कांप उठती है कि कोई बैंक के नाम से इस तरह की कार्यवाही करे। और उन लोगों के लिये तो सबक है जो प्राइवेटाईजेशन के पक्ष में हैं और जो चाहते हैं कि राष्ट्रीयकृत बैंकों का भी प्राईवेटाईजेशन हो जाये और जो चाहते हैं कि बहुराष्ट्रीय कम्पनियों को बुलाया जाये, उनके लिये यह सबक है। बैंक के जरिये इस तरह का काम किया जाता है यह विश्वास के लायक भी नहीं था। थर्ड वर्ल्ड कन्ट्री के कुछ लोग इस तरह के बैंक बनाकर और थर्ड वर्ल्ड के दुश्मनों के साथ मिलकर इस तरह की कार्यवाही को करें यह अविश्वसनीय था। विदेश के पार्लियामेंट में, अमरीकी सीनेट में और ब्रिटिश पार्लियामेंट में भी इन बातों पर चर्चा हो रही है और ऐसा लग रहा है कि दुनियां के अधिक से अधिक उन्नत देशों की पार्लियामेंट में इस पर चर्चा होगी। इस बैंक के जरिये बड़े पैमाने पर ड्रग स्मगलिंग की जाती थी और ड्रग स्मगलिंग कितना भयावह है, यह आप और हम सभी जानते हैं। जहां तक, मैं सोच रहा था कि आखिर यह बात अभी प्रकाश में क्यों आयी? जब यह इतने दिनों से चल रहा था। तो मुझको लग रहा है कि एक सिगनल फैक्टर जिसने इसको प्रकाश में लाया है, वह खुद अमरीका और दूसरे देशों के अंदर में जो यह ड्रग स्मगलिंग ऊंचे स्तर पर चली गयी जो वहां की पौपुलेशन को पूरी तरह से अफेक्ट किया, उस कारण भी इसका उद्घाटन हुआ। वरना इसमें सी०आई०ए० शामिल है, वही लोग ऐसा करवाते हैं। जो बातें और भी सामने आयी हैं कि यह खुफिया गिरी का काम तो करते ही थे, आर्म्स गैंग्स की ट्रेनिंग करते थे। अब यह भी बात आयी है कि हमारे यहां कश्मीर में जो लोग यह उत्पात मचा रहे हैं उसके पीछे भी इस बैंक का हाथ है, उन्होंने ही ऐसा किया है। दूसरे देशों की चर्चा मैं नहीं करूंगा, किस तरह पड़ौसी देश–अफगानिस्तान और दूसरी जगह में इस बैंक ने काम किया है और जो हमारे लिये सबसे खतरनाक बात है, वह यह है कि यह बैंक न सिर्फ धन देता था, बल्कि पाकिस्तान के उन लोगों को न्यूक्लिअर बम बनाने का सारा साधन जुटाता था। हम सभी जानते हैं कि पाकिस्तान न्यूक्लिअर बम किस के लिये बना रहा है? यह सोचकर ही हमारा हृदय कांप उठता है कि वह बम बनाकर हमारे देश पर गिराया जाता, जिससे न हमारी पार्लियामेंट रहती, न हम लोग रहते, कोई नहीं रह सकता था। ऐसी स्थिति पैदा हो जाती कि भारत देश का यहां नाम भी नहीं रह सकता था, अगर उस तरह का बम गिराया जाता। इस तरह के काम में यह बैंक लगा हुआ था और इस ढंग से बातें चल रही थी। जो अब उससे भी खतरनाक बात आयी है कि हमारे देश के लोग जाने-अनजाने, यह हमारे लिये कहना कठिन है कि कितने लोग इसको जानकर कर रहे थे, लेकिन

[श्री चतुरानन मिश्र]

जानें या अनजाने इसकी मदद कर रहे थे और जो इसमें धन जमा करता था, उनके बारे में तो हम समझ सकते हैं कि वह इन बातों को नहीं जानते होंगे। लेकिन इनको जो प्रोटक्शन दिया जा रहा था वह अत्यन्त खतरनाक बात है और इसलिये जरूरत इस बात की है कि उच्चस्तरीय जांच इसकी की जाये। मैं इस संबंध में एक सूचना "इंडिया टुडे" से पढ़ करके सुनाना चाहता हूं :

"In March 1983 BCCI opened a branch in Bombay against the then Governor, Manmohan Singh's recommendations."

यानी बैंक के गवर्नर ने अनुमति नहीं दी, तब भी सरकार ने अनुमति दी।

"But Finance Minister Pranab Mukherjee overruled him and the BCCI received preference over other banks, the US-based Chase Manhattan, for instance. Within three years the Finance Ministry's Enforcement Directorate began receiving reports from intelligence agencies about the Bank's indulgence in nefarious activities. The Director then decided to raid BCCI's Bombay branch in July 1986. The catch was 471 fake passports and a total of 2,64,000 roubles in cash and travellers cheques. This, taking $500 as foreign travel allowance for each passport holder, was worth $2,35,000."

PROF. CHANDRESH P. THAKUR (Bihar): What is the veracity of that? (*Interruptions*)

SHRI CHATURANAN MISHRA: This is what I am going to say. Because the matter is so serious, a Parliamentary Committee should be formed to enquire into it, because big guns are involved, officials, are involved, and you also agree with it.

It is a question of the whole security of the country. This is a very serious matter. I cannot vouchsafe whether it is true or not true. But it is a very serious matter. Therefore, it should be enquired into. That is my case.

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री दलबीर सिंह): चतुरानन मिश्र जी ने कहा कि मनमोहन सिंह ने दिया था--

But before that, the Janata Government, Shri H. M. Patel, the then Finance Minister, permitted the entry of the BCCI into Inida by allowing them to open a representative office in June, 1977.

SHRI CHATURANAN MISHRA: I say, Sir, whether it is the Opposition or the ruling party, whosoever has might have done it, the whole matter should be enquired into. I don't hold brief for anybody. Let others do that job. I stand for the security of the country. When this country is in danger whether it is from this side or from that side, the whole matter should be enquired into. That is why I propose, because high officials are involved, there should be a Joint Parliamentary Committee consisting of both Houses. So, do it.

फिर मैं आपको दूसरा कोटेशन सुनाता हूं जो आज के इंडियन ऐक्सप्रेस में निकला है :

"Though a one-branch wonder in India, the bank bagged deposits of as many as 26 large industrial houses of the country."

यह बहुत जरूरी है कि इसके बारे में जांच की जाए। अभी हम आइ०एम० एफ० के कर्ज लेने को बाध्य हुए हैं। 26 जो इंडस्ट्रियल हाउसेज एसे हैं जो हमारे यहां से विदेशी मुद्रा दूसरे कंट्रीज को दे रहे थे, ये लोग कौन हैं। इनके बारे में पता लगाना चाहिए।

फिर आगे यह अखबार लिखता है—

"Some of these are led by cash-rich friends of the then Congress-I high command."

मैं नहीं जानता होंगे कि नहीं होंगे। यह हमने कह दिया कि पक्ष का हो या विपक्ष का हो, सब की जांच की जाये।

"As many as 50 key officials of the Union Government including

nine in the Prime Minister's Office (PMO) itself, sent their children abroad in schemes bankrolled by BCCI."

अगर ये 50 ऐसे की ऑफिशियल्स हैं, जिनमें से 9 आदमी प्राइम मिनिस्टर सेक्रेटेरियेट के हैं तो आप बताइए हम कैसे सरकारी जांच पर भरोसा कर सकते हैं । इसीलिए हमने ज्वाइंट पार्लियामेंटरी कमेटी की इनक्वायरी की मांग की है ।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): Please, let us not debate it. Let him speak.

SHRI P. UPENDRA: Sponsored by them.

श्री आर० के० धवन : (आन्ध्र प्रदेश) ' उनके बच्चों को विदेशों में पढ़ने का हक नहीं है? . . . (**व्यवधान**)

श्री चतुरानन मिश्र : आपको अधिकार है कहने का, उनको भेजना चाहिए । आपको यह भी अधिकार है कि पाकिस्तान को बस . . . (व्यवधान)

श्री आर० के० धवन: ' जो प्राइम मिनिस्टर ऑफिस में काम करते हैं, उनके बच्चों को पढ़ने का हक नहीं है क्या ? . . . (व्यवधान)

श्री चतुरानन मिश्र : हमने कब कहा है कि किसी के बच्चे को पढ़ने का हक नहीं है? हमने तो नहीं कहा किसी के बच्चे को हक है या नहीं । . . . (व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष महोदय, आज के अखबार में और भी नाम हैं ।

श्री आर० के० धवन : मैं खड़े होकर कह रहा हूं कि प्राइम मिनिस्टर आफिस में जो लोग काम करते हैं उनके बच्चों को पढ़ने का पूरा हक है . . . (व्यवधान) अगर आप कह रही हैं कि खड़े होकर कहना चाहिए तो मैं खड़े होकर कह रहा हूं . . . (व्यवधान)

SHRI ASHIS SEN (West Bengal): He is reading from a journal. He is not reading from a private document of yours or mine. Have patience to hear him.

SHRI R. K. DHAWAN: I am saying this because he is referring to the children of the Officers of the PM's Office. (*Interruption*) अखबार में कुछ छपता है उसको लेकर आप प्राइम मिनिस्टर आफिस के लोगों के बारे में कहना शुरू करेंगे, यह कहां तक शोभनीय है ?

SHRI ASHIS SEN: Are you hurt by the Statement he is making?

श्री चतुरानन मिश्र : हमें इंटरप्शंस आप दीजिए, हम उनको वैलकम करते हैं । हम तो अकेले सक्षम हैं उनका जवाब देने के लिए । हमारे पास जवाब की शार्टेज नहीं है . . . (**व्यवधान**)

श्री आर० के० धवन : आपकी स्पीच हमेशा बड़ी अच्छी होती है । मेरे कहने का तात्पर्य सिर्फ यही है कि आप अखबार में छपी खबर को लेकर . . . (**व्यवधान**)

SHRI CHATURANAN MISHRA: Mr. M. Narasinham, who was in the Union Finance Ministry in 1983, when the BCCI got the permission, later on got his son hired by the BCCI. His son was Manager of the Hong Kong branch of the Bank between 1986 and . . . (*Interruptions*)

श्री आर० के० धवन : ठीक है, ये प्राइम मिनिस्टर आफिस में नहीं थे ।

SHRI MADAN BHATIA (Nominated): Sir, we have got this information from the hon. Member. He should know that this particular individual was not in the Prime Minister's Office. And if this is what has been reported in the Press, then this paper is a trash. (*Interruptions*)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): This does not look well. He has to initiate the discussion.

SHRI R. K. DHAWAN: I have been in the Prime Minister's Office for 20 years. I know who was and who was not in the Prime Minister's Office.

SHRI CHATURANAN MISHRA: Why are you worried?

SHRI R. K. DHAWAN: I am not worried. I am worried about you and your children. My point is why should somebody cast unnecessary aspersions on them. (*Interruptions*)

उपसभाध्यक्ष (श्री भास्कर अन्नाजी मासोदकर) : ठीक है, आप अपना डिस्कशन चालू रखिए... (व्यवधान)

श्री आर. के. धवन : और नाम बताइए, प्राइम मिनिस्टर आफिस के अफसरों के नाम बताइए... (व्यवधान)

श्री चतुरानन मिश्र : तो बता देते हैं, आप धीरज क्यों खो रहे हैं..... (व्यवधान)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): I think you should not answer Mr. Dhawan. You go in your own way.

SHRI CHATURANAN MISHRA: It is your job to stop him.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): You address the Chair.

श्री चतुरानन मिश्र : हम तो आपको वैलकम करते हैं । अगर भाटिया साहब कानून के बहुत विशेषज्ञ हैं तो वे ज्वाइंटट पार्लियमेंटरी कमेटी के सामने एविडेंस लीड करें । हमें कोई एतराज नहीं है... (व्यवधान)

SHRI MADAN BHATIA: The hon. Member must know that I don't have to plead for him. He does not have children.

SHRI CHATURANAN MISHRA: I do not say that he has children. I have never accused him.

SHRI R. K. DHAWAN: Nor has any such family gone abroad. Don't worry.

SHRI MADAN BHATIA: I was only saying that the person whom he was referring to was not in the PM's Office. Then what is the validity of this report. (*Interruptions*)

SHRI R. K. DHAWAN: None of them was in the Prime Minister's Office.

SHRI CHATURANAN MISHRA: I said earlier. If you don't hear, what can I do.

SHRI R. K. DHAWAN: I say never.

SHRI CHATURANAN MISHRA: I said he was in the Union Finance Ministry.

श्री आर. के. धवन : अखबार में आप छपवा देंगे रात को और सुबह हाउस में कह देंगे कि प्राइम मिनिस्टर आफिस के आदमी थे.... (व्यवधान)

श्री चतुरानन मिश्र : तो हम क्या कांग्रेस पार्टी के बुलेटिन में छपवा दें ? हम तो अखबार की बात को ही क्वोट करेंगे ।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): Mishra Ji, listen to me for a minute. You should not enter into a debate like this. You should make your point. If he says something and you go on replying, then what is the use of it?

SHRI CHATURANAN MISHRA: I agree with you.

SHRI R. K. DHAWAN: I have a very simple point.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): You can raise a point of order.

SHRI R. K. DHAWAN: My point is how can he talk of children of anybody? There are five children and they go abroad on their own. How can he say that somebody goes abroad because of this. No aspersion should be cast.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): You can answer him and there is a method to answer, but don't interrupt. Let him go in his own way. The whole matter is a serious one. Let us take it in a serious way.

SHRI CHATURANAN MISHRA: If they don't take it serious, what can I do?

मैं आखिर में बताऊंगा कि नरसिंह की चर्चा मैंने क्यों की । (व्यवधान)

SHRI R. K. DHAWAN: The hon. Member should not take the names of those persons who are not Members of this House and who cannot protect themselves... (*Interruptions*)

SHRI CHATURANAN MISHRA: He heads the Committe appointed by the Union Government to prepare a report on the future role of financial institutions in the corporate sector with particular reference to corporate take-over. इसलिए हमने चर्चा की कि ऐसे-ऐसे लोग जब वहां हैं इम्पोर्टेंट लोग वह है तब तो हाउस कमेटी ही इसकी जांच कर सकती है... (व्यवधान)

SHRI R. K. DHAWAN: Those officers cannot protect themselves here. He should not take their names. Some how or the other the newspaper has mentioned their names. How can they protect themselves? He should not be allowed to do so.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): He is only referring to the newspaper report.

SHRI ASHIS SEN: If Mr. Dhawan has got so much to say about them, let him go and prosecute the newspaper who gave the information. I have got every right and Mr. Mishra has got every right to quote from the newspaper.... (*Interruptinos*)...

SHRI MADAN BHATIA: I am on a point of order.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): Let us listen to the point of order.

SHRI MADAN BHATIA: No aspersion can be cast against an individual by name, who is not in the House and who is not in a position to protect himself. So I am respectfully submitting, all that has been said, any reference to the particular individual by name is liable to be expunged and I pray to you that that should be expunged.

SHRI P. UPENDRA (Andhra Pradesh): He is not making any charge. He is quoting from the newspaper.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): Please go ahead. He is merely referring to the document.

SHRI CHATURANAN MISHRA: In the beginning itself I have made it clear that an inquiry committee should be set up. For that purpose some consensus should emerge.... (*Interruptions*)...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): What Mr. Bhatia is saying that you should not level any allegations.

SHRI CHATURANAN MISHRA: I am not making any allegation. I am telling a certain serious matter has come to the knowledge of the country and to my knowledge also. If they do not want to listen to it, it is left to them. मैंने आपसे बताया शुरू में कि हम चाहते हैं इसकी जांच उच्च स्तरीय कमेटी के जरिये होनी चाहिए ताकि सारी बातें प्रकाश में आयें । इसके अलावा जो हमने आपसे कहा कि जो इंडस्ट्रियल

[Shri Chaturanan Mishra]

हाउसेज इन्वाल्व हैं उनके बारे में और भी ज्यादा चर्चा होनी चाहिए क्योंकि वह हमारे देश के धन को वहां से लेकर बाहर भेज देते हैं । एन. आर. आई. के बारे में बहुत चर्चा हुई । इनका भी इसमें हाथ है । मैं पढ़कर सुनाता हूं :

"There were mysteries right in the middle of the share battle. On August 20, 1982, the RBI—under the Union Finance Ministry telex authority—removed the Rs. 1 lakh ceiling on NRI investment in Indian companies, just three days later, three companies registered in the British-administered tax haven of Isle of Man—Thornton, Victor and Gainford—requested the RBI for permission to invest Rs. 2.08 crores each in RIL shares. Eight more such companies followed with identical requests. Formed by NRIs these companies had paid-up capital of only Pounds 200 about Rs. 3000 at 1982 rates. Yet they wanted to make a combined investment of Rs. 22.8 crores in RIL."

यह हमने आपको कहा कि एन. आर. आई. की बहुत चर्चा होती है उनका इसमें हाथ लगता है । इसलिए यह जरूरी है मुल्क के लिए कि इसके बारे में जल्द से जल्द सही बातों को समझे और हम लोग जान सकें कि क्या इसमें कार्रवाई की गई है ।

दूसरी चीज मैं यह कहना चाहता हूं कि जो फंड लेने वाले लोग हैं जिनको इसी बैंक से दान मिला है

The same branch donated S1 lakh for the 1987 Reliance World Cup to the sponsors, M/s: Reliance Industries:

व्यवधान) किस हालत में यह दिया गया, हम इसके लिए नहीं कह रहे हैं कि वह कम नहीं होना चाहिए, लेकिन वह रूपया मिलता है.... (**व्यवधान**)

श्री एन. के. पी. साल्वे (महाराष्ट्र) : मिश्र जी, मैं इण्डो-पाकिस्तान जौयन्ट मैनेजमेंट रिलायन्स कमेटी का चेयरमन था । हमारी जिम्मेदारी थी एकाउन्ट सबमिट करने की आई. टी. सी. को इन्टरनेशनल ट्रेड कान्फ्रेंस को, और एक पैसा भी किसी से लिया होता, आप तो एक लाख डालर की बात कर रहे हैं, एक लाख डालर नहीं, एक पैसा भी लिया होता तो पाकिस्तान को अपने एकाउन्ट में या हमको अपने एकाउन्ट में बनाना पड़ता । आप जिस कागज को रेफर कर रहे हैं, मैं तो कहता हूं कि एक लाख तो क्या, एक पैसा भी दिया होता रिलायन्स कप को तो मैं यहां से त्यागपत्र देने को तैयार हूं । अब उठा कर लिख दिया, हम क्या करें । अखबार की क्लिप कौंसिल में जाकर रिपोर्ट करें तो अपने आपको तकलीफ देने की बात है । हम तो पढ़ते हैं और रद्दी की टोकरी में फेंक देते हैं । मगर आपसे करबद्ध निवेदन करना चाहता हूं... (**व्यवधान**)

AN HON. MEMBER: That is not the question.

SHRI N. K. P. SALVE: What is not the question? Have they verified? What has he depended upon? I am so proud of the prestigious tournament for the Reliance Cup we have hosted here. Not one rupee worth of hanky-panky has been done. And they get up and say one lakh of dollars have been granted by the BCCI. What has happened is much worse. I am going to tell them what has happned with the BCCI. That, I am going to divulge myself. But this is an absolute malicious falsehood. Mishraji is extremely revered... (*Interruption*).

SHRI M. S. GURUPADASWAMY (Uttar Pradesh): Are you questioning the one lakh dollar donation? He is referring to the donation.

SHRI N. K. P. SALVE: Sir, my point is being missed. My point is being missed completely. (*Interruption*).

SHRI SUKOMAL SEN (West Bengal): Why is he pleading for Reliance? I do not understand. (*Interruptions*). What is this? You sit down.

SHRI N. K. P. SALVE: You will not understand. (*Interruption*). Did I take the name of Reliance?**

I am neither pleading for Reliance not understand. (*Interruptions*). Did likely to plead.**

I allege. That is why you bring the corporate war. I have never pleaded for anybody. All of them are equally good. All of them are equally crooked.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BASHKAR ANNAJI MASODKAR): Let us have restraint.

SHRI N. K. P. SALVE: Let us not allow the forum of Parliament to be used for purposes of carrying on a corporates war. I was submitting, through you, to Chaturananji, Mr. Sukomal Sen and others... (*Interruptions*).

SHRI DIPEN GHOSH (West Bengal): Sir, I am on a point of order. Is he replying now?

SHRI N. K. P. SALVE: I am intervening with the permission of Mr. Mishra and your permission, Sir. All that I want to submit is that the report... (*Interruption*).

SHRI DIPEN GHOSH: I can understand why. I pity Mr. Salve. Mr. Salve was supposed to reply. But, unfortunately, he could not be a Minister and he could not reply.

SHRI N. K. P. SALVE: Sir, I am intervening with your permission. Dipen, you don't be so intolerant.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): Let us not go into personal allegations.

SHRI N. K. P. SALVE: All that I want to submit for the consideration of Chaturananji whom I respect is this. Every word of his is like Gospel to me. Please don't rely on what is reported in 'India Today' or other papers. If you have your own independent information, you can certainly refer to it.

श्री चतुरानन मिश्र : उपसभाध्यक्ष महोदय, मेरे पास व्यक्तिगत कोई जानकारी नहीं है और मैंने इसकी इंक्वायरी भी नहीं की है । मैंने स्पष्ट कह दिया था कि मुझे इस वर्ल्ड कप से कोई विरोध नहीं है । यह मैंने आपके बोलने के पहले कह दिया था । इस बैंक ने इतना फ्रोड्यु-लेन्ट आपरेशन किया है कि इस नाम पर एक लाख या एक करोड़ रुपया दे दिया हो और आपको नहीं मिला हो । क्या इस कन्ट्री को यह जानने का अधिकार है या नहीं कि उस बैंक ने फ्रोड किया है? आप क्यों ऐसा समझ रहे हैं कि हम आपके बारे में कहेंगे । न तो हमारा, आपका और सदन में किसी दूसरे से हमारा ऐसा कोई संबंध है, हमने तो इसकी चर्चा भी नहीं की है... (व्यवधान)

SHRI DIPEN GHOSH: BCCI means Bank of Crooks and Conspirators International.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): I would request Members to have some propriety. Mr. Ghosh, you are also speaking. Salveji is also speaking. Let us hear him. Then we will go to your speeches.

5.00 P.M.

श्री चतुरानन मिश्र : इसलिये मैंने शुरू से ही कहा है कि हम अपनी सीमा के अंदर बोल सकते हैं।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): The Chairman has permitted him and he is just initiating the discussion on this subject.

श्री चतुरानन मिश्र : एक और मित्र जिनको मैं जानता हूं, क्योंकि उनका नाम है, इसलिये मुझे कहना पड़ रहा है । मैंने कहा है कि अगर मेरी पार्टी के किसी व्यक्ति का भी नाम होगा तो मैं

**Expunged as ordered by the Chair.

[श्री चतुरानन मिश्र] उसको भी पढ़ दूंगा । फिर उसके बारे में कहा है कि :

"Gave Rs. 50 lakhs to the Golden Hour Projcct in Bombay started by some M.P." I do not want to take the name of the M.P. I refrain from doing so as much as possible. (*Interruptions*).

KUMARI CHANDRIKA PREMJI KENIA (Maharashtra): I myself belong to Bombay. The Golden Hour Project never took off the ground. Everything is on paper and nothing has transpired. (*Interruptions*)

SHRI CHATURANAN MISHRA: All right. (*Interruptions*).

KUMARI CHANDRIKA PREMJI KENIA: It is a false allegation that the... (*Interruptions*)...

SHRI MADAN BHATIA: Sir, I am on a point of order.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): There is no point of order. Mr. Bhatia, I will give you an opportunity to speak. (*Interruptions*).

श्री चतुरानन मिश्र : हमको यील्ड कर देंगे लेकिन... (व्यवधान)...

KUMARI CHANDRIKA PREMJI KENIA: We are bound to interrupt. (*Interruptions*). Yes, I am going to speak but I am not going to make baseless allegations. He is coming up with baseless allegations. (*Interruptions*). If he does so, we are bound to interrupt. (*Ineterruption*)

श्री रजनी रंजन साहू (बिहार) : इनकी इन्फर्मेशन अखबार की है, उसको सदन के सम्मुख न रखा जाये, ऐसा मेरा आपसे अनुरोध है । अखबार में मिसलीडिंग रिपोर्ट आती है...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): That is the practice. The Members can rely on newspapers reports. Every day you rely on it. (*Interruptions*)

On the basis of the newspapers reports, the hon. Members bring serious matters before the House. (*Interruptions*).

KUMARI CHANDRIKA PREMJI KENIA: But there are factual reports also. (*Interruptions*)

SHRI MADAN BHATIA: Those matters are brought before the House by way of Special Mentions for the purpose of asking the Government to respond to them. (*Interruptions*)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): Mr. Bhatia, this is not a court of law. (*Interruptions*)

SHRI MADAN BHATIA: I can understand if the hon. Member formulates a question and states that this is what has appeared in the newspaper. What is the answer? What is the material with the Government? (*Interruptions*)

श्री चतुरानन मिश्र : अगर माननीय सदस्य इतने चिंतित थे तो सुप्रीम कोर्ट में इस अखबार के खिलाफ चले गये होते बजाय हमसे बहस करने के ।

SHRI MADAN BHATIA: Then there will be a question whether there should be enquiry or there should be no enquiry. But the hon. Member is reading a newspaper and saying, let us have a Joint Parliamentary Committee. I have never heard of this. (*Interruptions*)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): He is entitled to express his views. There is no point or order. (*Interruptions*)

श्री चतुरानन मिश्र : हमने यह तो नहीं कहा कि रुपया आपको दिया है । हमने कहा है कि देखा जाये कि 50 लाख

रुपया कहां दिया, क्या किया, कहां फांड है । हो सकता है कि आपका नाम हो। लेकिन अगर आप डिनाई कर देंगी तो आप कंवेयर हो जायेंगी।...**व्यवधान**...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): Mr. Mishra, you should not enter into conversion. Please address the Chair (*Interruptions*). No, not in her name. (*Interruptions*)

KUMARI CHANDRIKA PREMJI KENIA: I am not involved in the project. (*Interruptions*).

SHRI CHATURANAN MISHRA: Then why do you come in? I have not taken your name. I do not know why the people are getting disturbed. I have not taken your name. (*Interruptions*). Again I am quoting:

"On 4th April, long after Mr. V. P. Singh and Bhure Lal were out of the Finance Ministry, the four arrested. BCCI officials were released. This was unusual, going by the law. The earliest their appeals could have been heard was July 28, 1987—six months after the arrest. On April 17, detention orders against Mr. Murari were revoked under the Ministry's guidance."

मैं कहना चाहता हूं कि जब ऐसा अभियोग था तो उसके बाद भी हमारी सरकार इस तरह से उन लोगों को प्रिफरेंस देती है और खतरा है कि न्यूक्लियर बम बनाकर सारा भारत भस्मीभूत हो जायेगा । तो ऐसे मामले के बारे में पूरी जांच होनी चाहिये थी । यही हमारी बात थी । नाम बहुत हैं लेकिन मैं अपनी सूची को बढ़ाना नहीं चाहता और मैं इसमें लंबा नहीं जाना चाहता।..(**व्यवधान**)..नाम और हैं लेकिन आप डिस्टर्ब हो जाते हो, क्या करूं ।

श्री आर० के० धवन : अखबार में क्या रहे हैं ?

श्री चतुरानन मिश्र : आपकी पार्टी के सदस्य निकलते तभी न हम थोड़ा पढ़ते । लेकिन आपने तो छिपा के रख दिये । कोई आए तो ऐसा गौतम बुद्ध जो सब साफ कहे (**व्यवधान**)

श्री आर० के० धवन : आप इनवाल्व थे, आप वी० पी० सिंह को सपोर्ट कर रहे थ, तब आपने क्या किया ?

श्री चतुरानन मिश्र: आप वी० पी० सिंह का नाम लीजिये, हमारी पार्टी का नाम लीजिये । What else can I do? हम तो बार-बार आपसे कह रहे हैं लेकिन पता नहीं क्यों आप लोग पिनक पिनक कर उठते हैं । (**व्यवधान**) हम इतनी देर तक आप लोगों पर शक नहीं कर रहे थे लेकिन अब हमारा भी नीडल आप सस्पीशन उधर जा रहा है । (**व्यवधान**)

श्री आर० के० धवन : आप भी इनवाल्व होंगे (**व्यवधान**)

श्री चतुरानन मिश्र : आप लोग ऐसे ही करेंगे । हम लोग तो इन्क्वायरी करने के लिए कह रहे हैं, आप इन्क्वायरी करा लें तब सब समझ आ जाएगा (**व्यवधान**)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): That is not to be quoted. (*Interruptions*)

SHRI MADAN BHATIA: Sir, I expect something more substantive from a brilliant and a most prestigious Member like Mr. Mishra. This is only my request. ... (*Interruptions*)...

SHRI R. K. DHAWAN: Sir, I am here only to listen to his brilliant speech. He is reading only the newspaper reports.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): If you go on interrupting like this, he will never be able to meet his viewpoint. ... (*Interruptions*) ...

श्री मोहम्मद अफ़ज़ल उर्फ मीम अफ़ज़ल (उत्तर प्रदेश) : यह क्या कहना चाहते हैं कि सारे अखबार झूठ बोलते हैं (**व्यवधान**)

श्री चतुरानन मिश्र : आप हमारी मदद काहे को कर रहे हैं, हमको आपकी मदद की कोई जरूरत नहीं है (**व्यवधान**)

श्री आर० के० धवन : आपने कई बार खड़े होकर कहा है कि अखबार झूठ बोलते हैं (**व्यवधान**) आप रिकार्ड चेक कर लीजिये।

श्री चतुरानन मिश्र : मैंने कभी ऐसा नहीं कहा (**व्यवधान**)

श्री दिगंबरराव माधवराव जाधव : (महाराष्ट्र) : सारे अखबार सच बोलते हैं क्या आप यह कहते हैं? (**व्यवधान**)

श्री चतुरानन मिश्र : हमने यह कभी नहीं कहा कि सारे अखबार सच बोलते हैं और न हमने यह कभी कहा है सबके सब झूठ बोलते है (**व्यवधान**)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): *Md. Afzal, this is not proper. It is* very serious matter.

श्री चतुरानन मिश्र : हम तो सीरियस मैटर उठा रहे हैं। (**व्यवधान**) हमारे एमिनेंट लाअर ने कहा (**व्यवधान**)

उपसभाध्यक्ष (श्री भास्कर अन्नाजी मासोदकर) : आप उधर क्यों कर रहे हैं You are a very senior Member. You addrese the Chair only.

श्री चतुरानन मिश्र : रिप्लाई किसको न दूं (**व्यवधान**) आप यह कह दीजिये कि एक्सपंज हो गया।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): There is nothing to be expunged.

श्री चतुरानन मिश्र : वह जो बोलेंगे वह एक्सपंज हो जाएगा तो हम जवाब नहीं देंगे। (**व्यवधान**) मैं जिस बात की चर्चा करना चाहता था यह अत्यन्त गम्भीर बात है और यदि कोई किसी बात को छिपाने की कोशिश करता है तो यह बहुत खतरनाक काम करेगा। सिर्फ इसलिए नहीं कि वह न्युक्लियर बम बना रहा था। वह तो अपने आपमें खतरनाक है ही। इसमें सिर्फ भारत की पार्लियामेंट इनवाल्व नहीं है, इसमें अमरीकन सिनेट इनवाल्व्ड है, ब्रिटिश पार्लियामेंट इनवाल्व है, अदर पार्लियामेंट्स इनवाल्व हैं। जिनको आप छिपाना चाहते हैं उन सब का नाम आ जाएगा।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): Nobody is doing that. You have been permitted to raise it.

श्री चतुरानन मिश्र : हमने कहा कि यह कोई सोच रहा हो कि हम छिपा लेंगे, यह बात छिपने वाली नहीं है। The date of delivery is fixed ...

SHRI R. K. DHAWAN: Sir, he has said that nine officers in the Prime Minister' Office are involved. He is not mentioning any single officer.

SHRI CHATURANAN MISHRA: Why should I mention their names?

SHRI R. K. DHAWAN: Not a single officer in the Prime Minister's Office is involved. You have made an allegation that nine officers in the Prime Minister's Office are involved in this and you have not named a single officer in the Prime Minister's Office.

SHRI CHATURANAN MISHRA: Why should I mention them?

SHRI R. K. DHAWAN: Why don't you stand by your statement?

SHRI CHATURANAN MISHRA: I always stand by my statement. Yes, I stand by it.

अगर आप चाहें तो हम बाहर बयान दे सकते हैं (**व्यवधान**)

श्री आर० के० धवन : आपने कहा कि प्राइम मिनिस्टर आफिस के 9 आदमी इनवालव्ड हैं (**व्यवधान**)

श्री चतुरानन मिश्र : बार-बार चेयर की तरफ से कहा जा रहा है कि हमको राइट है बोलने का ।

SHRI R. K. DHAWAN: Mr. Chairman, I seek your protection. He has mentioned the Prime Minister's Office. You can check the records. He said, "Nine officers in the Prime Minister's Office are involved in sending their children abroad for study."... (*Interruption*)... He should clarify on what basis he was saying this and who the officers involved were.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): He has heard you.

SHRI CHATURANAN MISHRA: Sir, you have heard him and now you hear me. I have said that nine officers in the Prime Minister's Office are involved. So the matter relates to very high-ups. Therefore, a Parliamentary committee should enquire into the matter. Parliament has a right to do it and we have a right to appeal ...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): He is saying, your allegation is vague.

SHRI CHATURANAN MISHRA: The allegation is not there. The allegation is made from the other side.

SHRI R. K. DHAWAN: Then why have you mentioned that nine officers of the Prime Minister's Office are involved.

श्री चतुरानन मिश्र : केस क्यों नहीं करते हैं ?

श्री आर० के० धवन : हम क्यों करें केस । ... (*Interruptions*)...

Is it mentioned in the newspapers from which he is quoting that nine officers of the Prime Minister's Office are involved?... (*Interruptions*).

श्री चतुरानन मिश्र : आखिरी बात, यह लोग जो बहुत डिस्टर्ब हुए हैं । (**व्यवधान**)

उपसभाध्यक्ष (**श्री भास्कर अन्नाजी मासोदकर**) : आप सबको डिस्टर्ब करते हैं (**व्यवधान**) जब भी आप खड़े होते हैं, डिस्टर्ब करते हैं (**व्यवधान**)

श्री आर० के० धवन : हमेशा करते हैं (**व्यवधान**)

श्री चतुरानन मिश्र : कोई भी बोले, यहां पर इतने लोग हैं, चेयर है । (**व्यवधान**)

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS (SHRIMATI MARGARET ALVA): Why are you still talking when you couldn't do anything? You could not find out anything. You have been making charges against everybody. (*Interruptions*)...

SHRI CHATURANAN MISHRA: Madam, I may be a buffoon; you are intelligent.

SHRIMATI MARGARET ALVA: You appoint a committee then anything will come out. (*Interrup-*

AN HON. MEMBER: You have the privilege. You are the speaker. (*Interruptions*)...

SHRIMATI MARGARET ALVA: Do you mean to say there is corruption only when we are there? (*Interruptions*)...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): You please go ahead and conclude.

श्री चतुरानन मिश्र : आप तो बाद में आयी हैं और सबसे ब्रीफ लेकर आ गयी हैं तथा कह रही हैं व्हाट कैन आई डू ? .... (**व्यवधान**)

श्री आर० के० धवन : आप अखबार से पढ़ रहे हैं।

श्री चतुरानन मिश्र : अखबार से तो पढ़ रहा हूं लेकिन आप इन्क्वायरी के लिए तैयार क्यों नहीं हो रहे हैं, आपको इतना लग क्यों रहा है.... (**व्यवधान**)

हम वह इस्तेमाल नहीं करना चाहते हैं, चोर की दाढी में तिनका, आपको बता दें। लेकिन उपसभाध्यक्ष महोदय, हम एक बात कहना चाहते हैं कम्क्ल्यूड करते हुए....

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): Please conclude. Your time is already over.

श्री चतुरानन मिश्र : टाइम तो जो हमारा हुआ है सो तो आपने देखा ही है। लेकिन फिर भी ज्यादा नहीं बोलना चाहता हूं। फिर हम इसको रीइट्रेट करते हैं कि पार्लियामेंट की एक ज्वाइंट कमेटी इस सारे मामले की जांच करे। यह अत्यन्त खतरनाक मामला है। हमने आपको कह दिया है और शासक पार्टी से कह रहा हूं कि फिर ऐसा ही करके बोफोर्स जैसा मत कीजिए नहीं तो फिर वह हंगामा चलेगा। फिर वूट लादने के लिए जाइयेगा। सो हम कह देते हैं। उस वक्त भी हमने कहा था। अब भी दोहरा देते हैं कि फिर आप अपने.... (**व्यवधान**) जाल में फंसिएगा। आप छिपा नहीं सकते हैं। यह इंटरनेशनल क्राइम किया गया है, यह इंटरनेशनल इन्वाल्वमेंट है। कांग्रेस पार्टी कंसील नहीं कर सकती है। सबका नाम आयेगा। इसलिए समय रहते चेत जाइये।

श्री आर० के० धवन : आपका नाम भी आयेगा.... (**व्यवधान**)

श्री चतुरानन मिश्र : अगर आयेगा तो ले आइये। हमको क्या ऐतराज है.... (**व्यवधान**) इसलिए मैं फिर इसको दोहरा रहा हूं कि मैं इसकी जांच चाहता हूं। यह अत्यन्त खतरनाक है।

श्रीमती मारग्रेट आल्वा : कोई जांच नहीं होगी।

श्री चतुरानन मिश्र : आप नहीं कीजिए। उस बार भी नहीं की थी.. (**व्यवधान**) फिर बनवास जाइये।

श्री आर० के० धवन : आप तो बैठे थे तीन साल। यहां बैठे थे फिर वहां गये। क्या किया ?

श्री चतुरानन मिश्र : हम तो रहते ही हैं।

PROF. CHANDRESH P. THAKUR: It is already beyond 5 o'clock.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): Today is Saturday. We have decided to sit upto 6 o'clock.

SHRI R. K. DHAWAN: Not from today. That is from Monday onwards.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): Let us listen to Mr. Kulkarni. Then we will decide.

SHRI A. G. KULKARNI (Maharashtra): If you want I will speak on Monday.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): No, no. Please go ahead. Mr. Kulkarni if you want to speak you may speak. I have identified you.

SHRI A. G. KULKARNI: I am entitled to speak.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): I have identified you.

SHRI A. G. KULKARNI: My colleagues there say that we will continue on Monday.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): You can go by your colleagues. There is nothing. But I have identified you and if you want to speak you may speak.

श्री रजनी रंजन साहू : आप हाउस से पूछ लीजिए कि 5 बजे के बाद लोग बैठने के लिए तैयार हैं या नहीं। हाउस का कन्सेंसस ले लीजिए।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): It is already decided. Up to 6'oclock.

SHRI R. K. DHAWAN: It is not satisfactory reply.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): You see the notification.

SHRI A. G. KULKARNI: Sir, the discussion which has been initiated by many of our colleagues is a very important discussion in the context of the allegations that have been printed. I forget about it. I am not much interested in what everybody has printed or published. There are many lobbies in the country working against each other. That I can understand. Sir, you will remember that twice I was permitted by the Chairman of this House to make Special Mentions on BCCI. I have already made Special Mentions on BCCI. Further I have also written to the Chairman on some wrong replies given. I cannot say that the Government has given a wrong reply. I think, otherwise I will go into privilege. But I have written to the Chairman and the Chairman has asked the Finance Minister to clarify that.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): Clarification on what? I am asking you because your reference is not quite clear.

SHRI A. G. KULKARNI: What I am saying is that I made a Special Mention on the BCCI and its black money laundering activity and also the Syndicate Bank. This was made by me.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): I see.

SHRI A. G. KULKARNI: In the meantime, the Finance Minister made a statement with which I was not satisfied because I was having some other evidence to show that the Finance Minister might have made a mistake. So, I wrote to him and also to the Chairman. So, these matters I have already referred to. Now, apart from all the immoral acts indulged in by the BCCI, it seems to me that what we talk here and what has been coming in the Press with regard to the affairs of the BCCI are just the tip of the iceberg and there is much below it.

Sir, the American Senate is investigating into it. Similarly, the House of Commons is seized of the matter. Most of their activities are being exposed. But, in that inquiry, the Indian angle cannot be there and it is natural because the American Senate is interested in linking the operations of the BCCI with drug abuse and with the Iran-Contra affair. In London, they are interested in some other aspect. Here in India, Sir, we as Parliamentarians are interested in finding out whether the Reserve Bank of India and the Finance Ministry were alert and active in protecting the interests of the Indian depositers and there, Mr. Vice-Chairman, Sir, I have got my own doubts. While I am saying this, I would also like to add that the BCCI is a security risk to this country. That was why I was after the BCCI operations and I took the permission of the Chairman to make a Special Mention on this. It has been found that one Mr. Haq was ultimately arrested in the USA and jailed for stealing some special type of steel for use in the construction of a nuclear plant and he was also associated with drug trafficking with which the head of a foreign government was associated—I do not want to mention the name—and it was found that that foreign government also was very much interested in and very much concerned with the drug problem through the BCCI. My point is that the BCCI has been used as a con-

[Shri A. G. Kulkarni]
duit for sending money for the destabilization of the Indian corporate sector. From the information available, it is a pernicious offence in any civilized country because a large amount of money has been siphoned off in India which really belongs to the Indian industrialists, but which was in the Isle of Man with petty companies.

Sir, when I was a Member here in 1986, the then colleague of mine, Shri R. R. Morarka, and myself raised this issue and also the issue of the NRI funds. Just as Mr. Chaturanan Mishra stated just now, permission was granted because the NRI money was always welcome and there was no problem. But, some Indian industrialists are more than industrialists, they are crooks also. After over-invoicing and under-invoicing, they kept money in foreign countries and under this pretext, they brought it. The conduit was the BCCI, and in some cases, the Syndicate Bank. I can understand, Sir. And, perhaps, my friends will not be disturbed when I say that corporate democracy is a must in this country. Unless there is corporate democracy, the corporate sector, now under the New Industrial Policy, also, will not work competitively. But, with corporate democracy, there must be some corporate honesty, at least. Why are you bring in black money through fictitious names and putting into shares or debentures and acquiring further industrial assets? Mr. Vice-Chairman, Sir, I am not against "A" or "B" or "C" or "D". If you want; you can shoot everybody at the Vijay Chowk, and I will be the first man to applaud. But the point is that black money is destabilising the corporate democracy, it is demoralising the bureaucracy. What my friend read was, whether it is PMO or not, it is a very small matter.

SHRI R. K. DHAWAN: It is not a small matter, Mr. Kulkarni. The Prime Minister's Office should not be unnecessarily involved. I refuse to accept your point that it is a small matter.

SHRI A. G. KULKARNI: Would you please allow me to make...

SHRI R. K. DHAWAN: You said that it is a small matter.

SHRI A. G. KULKARNI: This is a half sentence...

SHRI R.K. DHAWAN: The name of the Prime Minister's Office is mentioned. And you said that it is a small matter. Cerainly, it is not a small matter.

SHRI A. G. KULKARNI: This is a half sentence. You are not the only person to defend the PMO. We are also here to defend. Mr. Vice-Chairman, Sir, what I say is, it is a small matter in the sense that whether Mr. Narasimhan was a stenographer or a typist or a Joint Secretary in the PMO, I did not mention it. I say, what Mr. Chaturanan Mishra wanted to say was that Mr. Narasimhan was an Adviser to the Prime Minister. And many officers are also named.

SHRI R. K. DHAWAN: He was never an Adviser to the Prime Minister.

SHRI A. G. KULKARNI: Pardon?

SHRI R. K. DHAWAN: He was never an Adviser to the Prime Minister.

SHRI A. G. KULKARNI: You might be knowing better.

SHRI R. K. DHAWAN: Mr. Narasimhan never worked in the Prime Minister's Office. He was never an Adviser to the Prime Minister. He was never associated with the Prime Minister in any capacity. He was Secretary to the Government of India.

SHRI A. G. KULKARNI: Mr. Vice-Chairman, Sir,....

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): You please go ahead.

SHRI A. G. KULKARNI: After retiring... (*Interruptions*) I want to assert..

SHRI R. K. DHAWAN: After reading out such false information, you cannot understand the agony through which the children of these officers have to go when the newspapers appear tomorrow. They have gone on reading out some false information. I am only for protecting the interests of the children of these officers. Tomorrow it may happen with your children, with your grandchildren. You cannot imagine the mental agony they have to go through when they read about these things.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): You please go ahead.

SHRI ASHIS SEN: Sir, certain hon. Members, at every point of time, when any reference is made, are getting agitated and obstructing the speeches of other hon. Members.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): Mr. Sen, why should you get up? (*Interruptions*) Mr. Kulkarni is takking care of it.

SHRI R. K. DHAWAN: Because of what I witness everyday, we are forced to do all these things.

SHRI A. G. KULKARNI: Mr. Vice-Chairman, Sir, I want to remind my colleagues here that whatever has been said in this House for the last at least 22 years to which I have been a witness is mostly depending on newspapers, whether it is the 'National Herald' or the 'Times of India' or the 'Indian Express' or 'India Today' or 'Sunday' of whatever it is. Even Bofors was also discussed on the information of the newspapers. And Mr. Rajiv Gandhi was quite shrewd in appointing a JPC to enquire and clear the rot which has been created by the newspapers. In politics, the system is that we try to hold the bull by its horns; we do not run away from it.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): Mr. Kulkarni, you go on with the subject.

As far as newspapers are concerned, they are entitled to do their job. They are themselves investigative. You do it.

SHRI A. G. KULKARNI: They are doing an excellent job. One must appreciate in Parliament that newspapers are at the forefront of digging out news and bringing the news, for which they must always be complimented.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): Mr. Dhawan says this should not be false. (*Interruptions*)

SHRI R. K. DHAWAN: You made an allegation. Why did you say false allegation?

SHRI A. G. KULKARNI: I have never made any allegation. (*Interruptions*)

The corporate war which has been started is a fall-out of black money through NRI schemes. There is inside share-trading. This pernicious method has been adopted in this, whereby thousands and lakhs of shareholders have suffered. The shares may belong right from Tatas to Bombay Dyeing. They may belong to any company.

Mr. Vice-Chairman, Sir, I would like you to go through what I have first stated. In corporate sector, honesty should be the hallmark of transparent transactions. Only corporate democracy is not going to help.

Mr. Vice-Chairman, Sir, I am not going into the details for that matter. Mr. Vice-Chairman, Sir, I have got certain documents. I am holding

[Shri A. G. Kulkarni]

them myself. I have sent them to the Finance Minister also. One copy I have sent to him. Here is what you call the later correspondence between Bombay branch of the BCCI and London head office of BCCI. Here M/s. M. J. Exports have got expertise in trade to... (*Interruptions*) That applies to rice, clothes, shoes and many other things. Sir, there are many rice exporters in this country also. We know of their dealings, how they deal. One Mr. Murlidharan, Manager, Marketing of BCCI, is writing to one Mr. N. R. Kapadia, Manager, BCCI, London. You should go through these documents.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): Have you tabled them or what?

SHRI A. G. KULKARNI: Why should I table them? I am not interested in it.

AN HON. MEMBER: He has forwarded it to the Minister.

SHRI A. G. KULKARNI: Yes. You can read. No problem.

They say that they are linked with switch trade. We really are the victims of nefarious activities and black money generated by industrialists and trading companies. It is not exactly whether it is Reliance or Bombay Dyeing or Tata or Birla. Nothing like that. Now, one information I have got. The Reliance information has been given. The Bombay Dyeing information has been given. One can go and find out. I have no objection to that. But, Sir, here it seems to what extent the BCCI branch has gone to protect the trading houses which harmed the Indian economy to the extent of one hundred to one thousand million dollars. Sir, this is the information which I have got. I do not want to waste the time of the House. I have sent it. But this I have brought to your notice. Mr. Vice-Chairman, Sir, there is one Mr. Tony jesudas, a Delhi based man who is concerned with arms trade. He is also concerned with public relations at high places. He is not a low-level public relations man. He is a very high-level public relations man. He goes above our heads also. Because the BCCI connection comes through CIA, my allegation is CIA has used BCCI for sending money to Iranian Contras. That is why, this man and particularly one Mr. Holston who is a covert operator of the CIA is stationed in the American Embassy. What seems is this that Tonney Jesudas is also connected with RIL. So, what should I infer or my friend should infer?

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): Mr. Kulkarni, you are mentioning this side and that side. This is a matter for the whole nation.

SHRI A. G. KULKARNI: Mr. Vice-Chairman, this side is my party. They are with me. I may be expressing my views very straight-forwardly.

SHRI MADAN BHATIA: Sir, this is a very serious matter which the hon. Member is mentioning. We would like to have an answer from the hon. Minister. What the hon. Member is saying is; he has sent this letter to the hon. Finance Minister. We would like to know about this particular matter.

SHRI A. G. KULKARNI: Bhatiaji, I have not sent this letter because this information has come only today. What I sent to him is on the BCCI and Syndicate Bank and his own statement made in the House.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): Mr. Kulkarni, please be specific. He thought, you have also sent this matter to the Finance Minister.

SHRI A. G. KULKARNI: Mr. Vice-Chairman, I am really unable to convince you and my colleague. I said I referred to the Chairman as well as

the Finance Minister the involvement of BCCI and Syndicate Bank for protecting the deposits of the Indian depositors. When I was diggin for more information, this information of MIG Exports came to me three days back. That I sent immediately to the Finance Minister and I requested him to enquire from the Enforcement officers and see how many hundreds of millions of dollars have been lost because the Indian rupee has been sold for a pittance. Then Mr. Vice-Chairman, on the Syndicate Bank I have already stated. The Finance Minister made a statement...

SHRI DALBIR SINGH: On which date did you send this letter to the Finance Minister?

SHRI A. G. KULKARNI: About two-three days back.

अरे भाई, मैं थोड़ा ही डायरी रखता हूं । इधर मेरे पास न कोई सेक्रेटरी है और न कोई दूसरा आदमी हैं ।

श्री आर० के० धवन : आपके पास कापी तो है, उसमें से देखकर डेट बता दीजिए ।

श्री अरविन्द गणेश कुलकर्णी : मनमोहन सिंह के पास है, दलबीर तो हम आज ही देखा हूं ।.... (**व्यवधान**) .... I will give him the copy.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): Or the Finance Minister will come and see.

SHRI A. G. KULKARNI: I have written not only to the Finance Minister but the Chairman also. The Finance Minister stated that no money of the depositors has been lost. But I have got a copy of the balance-sheet of 31st March, 1991. There, in the note-forming part of their account—perhaps my senior colleague Mr. Salve will know—they say that reconciliation of account with other banks including foreign banks and agencies and financial institutions is in arrears. Pending completion of the operating balances, reconciliation, adjustment effected there on, the account could not be ascertained. I fail to understand on what basis it was so. It is for the Government to state, and they may inform me in due course of time.

I have got another aspect of this BCCI involvement. I told you about RIL investment through Isle of Man Company and I have already stated about investment in purchase of L&T shares also through BCCI operations. I am saying from the point of view of security risk. That is why I am asking it. Now how far the Government agrees, I don't know. Unnecessarily, an atmosphere is created that we are more interested in putting all the BCCI affairs under the carpet, and my friends on this side want to expose it. About the export of rice deal, there are many others who have done this deal, and many of them stashed money in London, like Sumito Corporation and others. That we have also discussed, and it was found out that switch trade has taken place. I request Dalbirji to realise that switch trade is the pernicious effort to undermine the Indian economy. Why is the value of Indian rupee going down? Now that the Soviet Union is disintegrating, what will happen to our trade? So, Mr. Vice-Chairman, I am interested in the security aspect and also the interest of this country's economy. I have this document with me; it is not authenticated; but it is a matter which Mishraji has stated that about 400 to 500 million dollars of secret money in the BCCI has been lost which was owned by Indian industrialists and politicians. It is not a small amount; it comes to about Rs. 750 crores, whoever it may belong to; it may belong to Mr. Kulkarni; I don't mind. But the point is, as a politician I have made some black money; I invested it in the BCCI in London or here or in Luxumberg, and I lost it. This is the tragedy of the

[Shri A. G. Kulkarni]

BCCI. I do not want to take the time of the House. I have got so much material. It shows a nexus between the politicians and industrialists. Once I mentioned here, during Mahatma Gandhi's time, it was there but on a different level. Now there is a nexus between the industrialists, the bureaucrats and the politicians who are hankering after money, who risk their own family status, which is not only destablilising the system, not only demoralising it but the entire political system is in danger. Here in this case, one Mr. Y. D. Padia who was with BCCI here, was a conduit between the politicians and the BCCI gang. His activities should also be examined. Finally I demand that in the interest of—leave aside my party, but in the interest of—the nation, a JPC should be appointed or if you want, Government can appoint a judicial commission, or whatever, to unearth how far BCCI operations threw its tentacles of drug money, black money and money through arms dealings. It is said somewhere that they supplied arms to our country. It may or may not be true; but it created ethos why our party lost on Bofors issue. These people made only noise on Bofors. But nothing happened. The poor rural people were carried away as if the Congress has made large amounts of money. But not even a single farthing has come to anybody. But the BCCI affair is even larger than the Bofors issue. Bofors is a pittance.

SHRI MADAN BHATIA: BCCI is not a Government body. The hon. Member is saying as if BCCI is a Government body. Why should he compare BCCI with the allegations which are made against the Government? We treat BCCI as a private entity and if its activities, in any manner, have compromised with the financial or the political interests of this country, then only Parliament comes into the picture. Otherwise, BCCI has been BCCI from the first day... (*Interruptions*)

SHRI A. G. KULKARNI: Thank you. What I was mentioning is that the Bofors affair was considered through JPC.

SHRI MADAN BHATIA: It is totally irrelevant to bring Bofors into this.

SHRI A. G. KULKARNI: Mr. Bhatia has quite justified that Bofors was the Government's purchase of arms.

SHRI MADAN BHATIA: You say that an investigation has to be made. But, What is the nexus between the BCCI and the Bofors?

SHRI A. G. KULKARNI: If you allow me to speak... (*Interruptions*)

SHRI MADAN BHATIA: I certainly take objection to this that everything is being connected with Bofors. If it is BCCI, it is connected with Bofors. If it is Reliance, then also it is connected with Bofors.

SHRI DIPEN GHOSH: There is a nexus via Government ruled by the Congress Party... (*Interruptions*)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): Mr. Kulkarni is capable of answering these. He can take care of it.

SHRI DIPEN GHOSH: According to Mr. Bhatia, the Government has got nothing to do with the BCCI. What makes him so exercised?

SHRI MADAN BHATIA: We know what the Bofors issue was. This issue was used to create an atmosphere of hatred and violence against Shri Rajiv Gandhi which, ultimately, led to his assassination. I am very sensitive about this. This issue was raised by a person who owed every thing to Shri Rajiv Gandhi. He used this issue in order to indulge in the character assassination of Shri Rajiv Gandhi, in creating an atmosphere of hatred and violence against him.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): Mr. Kulkarni, you please continue.

SHRI A. G. KULKARNI: I am concluding, Sir. My friends have raised some points. I do not want to quarrel. My submission is that Bofors was mentioned to the extent it was alleged by the various political parties as of corruption. The BCCI is more dangerous than the Bofors in the matter of corruption. That is why, I demand that the Government... (*Interruptions*)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): He is saying that you are comparing BCCI with Bofors.

SHRI A. G. KULKARNI: Only on one aspect of corruption and nothing else.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): He is not objecting to it.

SHRI A. G. KULKARNI: I am not objecting to what he said. Let it go on whetever way he wants .... (*Interruptions*) A judicial committee should be appointed... (*Interruptions*).

SHRI N. K. P. SALVE: Mr. Kulkarni, I want to submit respectfully An impression is going as though you are saying that there was corruption in Bofors and there is greater corruption in BCCI... (*Interruptions*) Is he saying that?

SHRI P. UPENDRA: 64 crores.... (*Interruptions*)

SHRI N. K. P. SALVE: You may say anything. You say 'Rs. 64 crores'. It was not even sixty-four rupees: What did you find out? (Interruption) (Interruptions) You shamelessly told the people that within fifteen months you will prove, you will identify the beneficiaries. Fifteen months passed. (Interruptions) You can talk any thing? (Interruptions) I do not expect Mr. Kulkarni to say that. (*Interruptions*)

SHRI A. G. KULKARNI: I am coming to the last sentence. Mr. Vice-Chairman, Sir, I never said that there was corruption in Bofors. On the contrary, I say that the other political parties made false allegations and created an atmosphere in the country about corruption in Bofors.

SHRI N. K. P. SALVE: Now, you support him. It is all right. (*Interruptions*)

SHRI DIPEN GHOSH: You are all exercised. (*Interruptions*)

SHRI N. K. P. SALVE: You stand by him now. (*Interruptions*)

SHRI DIPEN GHOSH: You are all exercised. (*Interruptions*)

SHRI R. K. DHAWAN: It was a false propaganda. (*Interruptions*)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): I would request Members, let Mr. Kulkarni complete his speech. This is not proper. (*Interruptions*) Mr. Kulkarni, please continue and conclude. We have to adjourn at 6 p.m. (*Interruptions*)

SHRI DIPEN GHOSH: The people did not vote you to power because they believed in it. (*Interruptions*)

SHRI V. NARAYANASAMY: (Pondicherry): Now, people have thrown you out. (*Interruptions*)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): Let us not waste time like this. Let him complete his speech. He is a senior Parliamentarian. (*Interruptions*)

SHRI DIPEN GHOSH: Right from the Kuo Oil deal, I have been seeing Mr. Salve. On every occasion, when the Party and the Government is in trouble, Mr. Salve is called in to salvage the Party. (*Interruptions*)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): I would request hon. Members. Please allow Mr. Kulkarni to continue.

SHRI A. G. KULKARNI: Sir, it was an half-sentance. The balance is this. About Bofors, I have already made it clear. False allegations were made. An atmosphere was created. Even in regard to the BCCI, the Opposition is creating an atmosphere that the Congress Party is trying to protect.
(*Interruptions*)

I would request the Government. I would request the Finance Minister and the Prime Minister. This matter of BCCI is not a very small matter. It is more than Bofors.
(*Interruptions*) . . .

Therefore, it should be enquired into.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): Now, the next speaker is Mr. Gurupadaswamy.

SHRI MADAN BHATIA: Sir, it is nearing 6 P.M. We can continue on Monday.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): Mr. Gurupadaswamy, there are only ten minutes left. Would you like to speak now?

SHRI M. S. GURUPADASWAMY: We can continue on Monday.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): The House is now adjourned and we will meet again on Monday, the 16th, at 11 A.M.

The House then adjourned at fifty minutes past five of the clock till eleven of the clock on Monday, the 16th September, 1991.